

उद्यान पुं. (तत्.) 1. सैर या मनोविनोद के लिए बना तथा पेड़-पौधों से सजा, व्यवस्थित तथा चारों ओर से घिरा भूखंड 2. बगीचा, वाटिका, बाग, उपवन। park

उद्यान कृषि स्त्री. (तत्.) कृषि. 1. मुख्यतः व्यापार की दृष्टि से या लाभ कमाने के लिए बड़े बागों या बागानों में की जाने वाली खेती, जैसे- रबड़, चाय, मसाले, फल, फूल उगाना आदि, बागवानी। horticulture

उद्यानपाल पुं. (तत्.) माली।

उद्यानरक्षक पुं. (तत्.) 1. माली 2. बड़े बागों की रक्षा के लिए नियुक्त व्यक्ति, उद्यानपाल।

उद्यानिकी स्त्री. (तत्.) 1. बागवानी, उद्यान लगाने व सजाने सँवारने की कला. gardening 2. कृषि. फलोद्यान का शास्त्र। horticulture

उद्यापन पुं. (तत्.) 1. व्रतादि की समाप्ति 2. किसी व्रतादि की समाप्ति पर किया जाने वाला पूजा-कर्म।

उद्योग पुं. (तत्.) 1. किसी वस्तु के उत्पादन के लिए स्थापित व्यवसाय या कारखाना industry 2. उद्यम, यत्न, श्रम 3. काम-धंधा।

उद्योग-धंधा पुं. (तत्.+तद्) 1. उत्पादन-व्यवसाय 2. उत्पादन से संबंधित कारखाने, व्यवसाय या काम। industry

उद्योगपति पुं. (तत्.) माल तैयार करने वाले कारखाने या उद्योगों के समूह का मालिक, उद्योग-धंधा चलाने वाला, उद्यमी।

उद्योगशाला स्त्री. (तत्.) 1. उत्पादक धंधा सिखाने वाली संस्था 2. कारखाना।

उद्योगी वि. (तत्.) उद्योगशील, मेहनती, परिश्रमी यत्नशील।

उद्योगीकरण पु. (तत्.) दे. औद्योगिकीकरण।

उद्योत पुं. (तत्.) 1. चमक, जगमगाहट 2. प्रकाश 3. तेज।

उद्योतकर वि. (तत्.) 1. चमकने वाला 2. प्रकाश देने वाला, प्रकाशित करने वाला 3. सूर्य, तारा।

उद्योतन पुं. (तत्.) प्रकाशित करना या होना।

उद्वर्त पुं. (तत्.) 1. अधिक राशि, शेष 2. अतिरिक्त वस्तु, फालतू 3. उबटन (मालिश) हेतु प्रयुक्त चूर्ण 4. उबटन।

उद्वर्तक वि. (तत्.) 1. उबटन लगाने वाला 2. उठाने वाला।

उद्वर्तन पुं. (तत्.) 1. लेपन, उबटन लगाना 2. सुगंधित लेप 4. मालिश।

उद्वर्थन पुं. (तत्.) 1. ऊपर उठना, उठाना 2. बढ़ना, बढ़ाना 3. फैलना, फैलाना 4. उन्नत होना, उन्नत करना।

उद्वह पुं. (तत्.) 1. पुत्र 2. विवाह 3. वायु का एक प्रकार टि. वायु के सात प्रकार हरिवंशपुराण में वर्णित हैं, आवह, प्रवह, विवह, परावह, संवह उद्वह और परिवह।

उद्वहन वि. (तत्.) 1. ऊपर की ओर उठना 2. उठाकर ले जाना 3. विवाह करना।

उद्वहन-यंत्र पुं. (तत्.) पानी, तेल आदि उठाकर बाहर निकालने वाला, पिचकारी जैसा यंत्र, पंप।

उद्वाचन पुं. (तत्.) 1. प्राचीन लिपियों में लिखे लेख को पढ़ना तथा उन्हें समझना, जैसे- सिंधु घाटी सभ्यता के लेखों का वाचन तु. कूटलिपि-वाचन 2. जोर से रोना या चिल्लाना।

उद्वासन वि. (तत्.) 1. स्थान-विशेष या देश से निकालना 2. बसे हुए लोगों को उजाड़ना, खदेड़ना 3. मार डालना 4. आसन बिछाना।

उद्वाह पुं. (तत्.) 1. उठाना 2. संभालना 3. विवाह।

उद्वाही वि. (तत्.) 1. ढोने वाला, वहन करने वाला 2. विवाह करने वाला।